सोहन लाल, अपर सचिव, उत्तराचल शासन।

निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, उत्तरांघल, हल्हानी।

ान एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांकः \ ८ जनवरी 2006

ेषयः वित्तीय वर्ष 2005-06 में भगवानपुर, जनपद-हरिद्वार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय.

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद-हरिद्वार के नगतानपुर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षन संस्थान की स्थापना करते हुवे, इसके लिये प्रस्ताधित तीन व्यवसाय फिटर, डाटा एन्ट्री आपरेटर, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विदरणानुसार शासनादेश निर्मत होने भी तिथी अथवा पद की मरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो से दिनाका 28.02.2008 तक के लिये वशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित कियंज जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है :-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भगवानपुर, जिला-हरिद्वार हेतु पदों का विवरण :-

जकाय	अधि।यक प्राराद्यण संस्थान	स्वीकृत किये जाने वाले पदों की संख्या	वेतनमान
2040	पदों का नाम	स्योकृत किय जान नारा नारा	6500-10500
1.	कार्यदेशक श्रेणी-तीन	03	5000-8000
2.	यावसाय अनुदेशक		5000-8000
3.	अनुदेशक सामाजिक अध्ययन	01	5000-8000
4.	अनुदेशक कला/गणित	01	4000-6000
5.	सहायक भण्डारी	01	4000-6000
6.	वरिष्ठ सहायक	02	2610-3540
7.	भण्डार/कार्यशाला परिचर	01	2550-3200
8.	चपरासी	02	2550-3200
9.	चौकीदार	01	2550-3200
10.	स्वक्षकार	14	
-	योगः	1 64	

उक्त पद के घारकों को उक्त पद के वैतन के साथ-साथ शासन द्वारा समद-समय पित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महँगाई एवं अन्य मत्ते आदि भी देय होंगें।

जुक्त पद के धारका की उपर पद जापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महँगाः	एवं अन्य भत्ते आदि भी दय हारा। प्रशिक्षण स्थान
जापेत आदशा का जाउर जापेत आदशा का जाम जापेत आदशा का जाम	यूनिट 16 01 00
फिटर	01 20
डाटा एन्ट्री आपरेटर विद्युतकार	णतं अधिकान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार

उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययो एवं अधिष्ठान के खर्चे हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार पये 14,00,000.00 (रूपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल

धनसारी हजार रूपये में आवश्यक धनराशि 01		
		01
		01
01		
50		
50		
01		
12		
01		
01		
10		
1200		
70		
01		
4400		
शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रवीकृत की		

उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर रवीकृत की ज ाड़ी है कि उक्त मद में आंवटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किय नाता है, कि धनराशि का आंवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्य रने से बजट मैनुअल या विस्तीय हस्तपुरितका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो नहीं व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिका े स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता वय में समय-समय पर जारी शासनादेशों / अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित वि ाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

याय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, बीजीएसएण्डवी, की दरो एवं शर्ता, टेन्डर/कोटे आदि के विषयक निवमों का अनुपालन सुनिधिचत किया जायेगा। तपकरणों आदि हा कय प्र ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही कय किया जायेगा।

स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक: 31.03 2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या-16, मुख्य लेखा शीयर्क-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक नदों के नामें डाला आयेगा।

8— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्याः यू०ओ०: 70 / वि०अनु०-५, विनोकः १४,०२.०६ के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

गवदीय

आपर शिचवा

## पृथ्ठांकन संख्या: [६०९ (1)/VIII/59-प्रशि/2005, तद्दिनांकित — प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित :-

- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- ारिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
- वित्त अनुभाग-5
- 4- भ्रो एल०एम० पत् अपर सचिव, विक्त बंगट, पंतासवल सायन।
- 5— उपनिदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आश्रम से प्रेपित कि वे क्ष्मण उपत शूचना को राजपत्र के असगामी अंक में प्रकाशित कर वाछित प्रतियाँ शातन को सामारा कराने का काट करें।
  - निजी सचिव, मुख्य सचिव।
- नियोजन विभाग।
- एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।
  - नार्ड फाईल।

आज़ा से,

अन्सचिव।